"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 जनवरी–31 जनवरी, 2026 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 07 | पृष्ठः 08

संरक्षक
कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक
श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक
डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल
डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन
निलेश्वर पाण्डेय, दीपगोपाल मिश्र, निहारिका सिंह, हंसिका सहदेव, शिवांग चतुर्वेदी, लक्ष्मी पाठक, श्रेया मौर्या, शाम्भवी गुप्ता, विशाखा पाठक।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।
Avadhuniversity@gmail.com

अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए और स्नातकोत्तर प्रश्नपत्र द्विभाषीय हों : कुलाधिपति आनंदीबेन

अयोध्या, 20 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की नैक मूल्यांकन तैयारियों की समीक्षा के लिए राजभवन में आयोजित बैठक में कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष विश्वविद्यालय की नैक टीम ने विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में एट्रीब्यूट एक से लेकर एट्रीब्यूट ग्यारह तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रस्तुति की समीक्षा करते हुए कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को उन्नत भारत अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए तथा वेब ऑफ साइंस में पंजीकरण भी कराया जाए। साथ ही अयोध्या की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्वविद्यालय के शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विशेष जोर दिया, जिससे विद्यार्थियों को स्थानीय इतिहास और परंपराओं की जानकारी मिल सके। उन्होंने निर्देश दिया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रश्नपत्र द्वि भाषीय (हिंदी और अंग्रेजी) बनाए जाएँ तथा आवश्यकता के अनुसार क्षेत्रीय भाषा में भी उपलब्ध कराए जाएँ। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शित फोटोग्राफ्स को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रासंगिक बनाने और उनके साथ उचित कैप्शन लगाने पर भी बल दिया।

राजभवन में आयोजित बैठक में नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा करती कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल। इस अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि नैक मूल्यांकन में बेहतर ग्रेड प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सायं 3 बजे शिक्षकों के साथ बैठक कर नैक तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में विशेष अपर सचिव राज्यपाल डॉ. पंकज एल जानी, डॉ. सुधीर एम. बोबडे, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमेशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक तथा विश्वविद्यालय के कई शिक्षक उपस्थित रहे।

विवि के नवीन परिसर के विकास कार्यों का कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने किया निरीक्षण

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, निर्माण कार्य समय पर पूरे हों: आनंदीबेन पटेल

अयोध्या, 16 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तुलसी भवन और वशिष्ठ भवन का अवलोकन करते हुए सभी कक्षों का पठन–पाठन तथा प्रायोगिक कार्यों के लिए समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों का समग्र विकास हो सके और वे समाज में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के भी निर्देश दिए।

विवि के नवीन परिसर में विकास कार्यों का निरीक्षण करती कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

निरीक्षण के दौरान कुलाधिपति ने परिसर की जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया और कार्यदायी संस्थाओं को इसे शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्माणाधीन सरोवर का भी निरीक्षण किया और निर्माणदायी संस्था को निर्धारित समय सीमा में मानकों के अनुरूप कार्य पूरा करने को कहा। ईडीपी भवन के बेसमेंट में चल रहे कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। कुलाधिपति ने लवकुश एवं सरयू छात्रावास का निरीक्षण कर वहां रह रहे छात्रों से संवाद किया और हॉस्टल की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। योग विभाग में छात्र–छात्राओं के योगाभ्यास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उनकी सराहना की और निरंतर अभ्यास के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ. कपिल राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया। मौके पर जिलाधिकारी निखिलराम फुंडे मुख्य विकास अधिकारी एके सिंह, कुलसचिव विनय सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो आशुतोष सिन्हा, प्रो एसएस मिश्र, एवं कार्यदाई संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: राज्य मंत्री रजनी तिवारी
नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से छात्रों को जोड़ना आवश्यक: कुलपति

अयोध्या, 13 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह से शिष्टाचार भेंट कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति एवं विकास योजनाओं पर चर्चा की। बैठक में विश्वविद्यालय में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और शैक्षिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।

इस दौरान कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने राज्य मंत्री को विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक गतिविधियों और प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में छात्रों को नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना आवश्यक है, जिसके लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। साथ ही उन्होंने अनुसंधान के क्षेत्र को विस्तार देने और शोध कार्यों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

विवि के कौटिल्य प्रशासनिक भवन में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह से शिष्टाचार भेंट करती उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी।

बैठक में नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अकादमिक सुदृढ़ीकरण, आधारभूत संरचना के विकास तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है और अवध विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा आधारभूत विकास के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हार्टफुलनेस सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय में होंगे मेडिटेशन सत्र

अयोध्या, 07 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय एवं हार्टफुलनेस एजुकेशनल सोसाइटी, हैदराबाद के मध्य हुए एमओयू के तहत कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में हार्टफुलनेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षकों एवं छात्रों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

हार्टफुलनेस एजुकेशनल सोसाइटी की पदाधिकारी डॉ. नम्रता सिंह ने बताया कि सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के फैकल्टी और अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय मेडिटेशन सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक पंद्रह दिन में एक घंटे का सत्र आयोजित किया जाएगा। प्रथम सत्र परिचयात्मक होगा, जबकि बाद में छात्र–छात्राओं के लिए अलग से सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में मूल्य आधारित शिक्षा, तनाव प्रबंधन और ध्यान जैसी गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने पर बल दिया जाएगा।

इस अवसर पर हार्टफुलनेस सोसाइटी के पदाधिकारी राम मिलन मिश्र, संयोजक प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. पी.के. द्विवेदी सहित अन्य शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक में एनईपी पाठ्यक्रम को लेकर अहम निर्णय

अयोध्या, 08 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें एनईपी पाठ्यक्रम से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में वर्ष 2024 में परीक्षा न दे पाए छात्र–छात्राओं को एक और अवसर देने का निर्णय लिया गया। साथ ही 38 शोधार्थियों की सूची का अनुमोदन किया गया।

कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में आयोजित परीक्षा समिति की बैठक में अध्यक्षता करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह व उपस्थित सदस्य।

बैठक में यह भी तय हुआ कि एनईपी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टरों का एक ही अंकपत्र मुद्रित किया जाएगा। पर्यावरण अध्ययन, राष्ट्र गौरव तथा फाउंडेशन कोर्स की परीक्षा से वंचित छात्रों को भी पुनः अवसर दिया जाएगा और इन विषयों की परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित होंगी।

बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. शैलेंद्र कुमार, उपकुलसचिव डॉ. एके गौतम, डॉ. रीमा श्रीवास्तव, अन्य उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

अयोध्या, 08 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं बुधवार से प्रारंभ हो गईं। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली सुबह 8:00 से 10:30 बजे, द्वितीय पाली 9:00 से 12:00 बजे तथा तृतीय पाली 2:00 से 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर नकलविहीन, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिक्स्ड सीटिंग प्लान लागू किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गठित सचल दलों को सक्रिय कर परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कराया जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों को सीसीटीवी निगरानी में परीक्षा कराने और कंट्रोल रूम से कनेक्टिविटी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

"कोविदार"

01 जनवरी–31 जनवरी, 2026, माघ कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में केपीआई की महत्वपूर्ण भूमिकाः कुलपति

अयोध्या, 09 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में की परफॉर्मेंस इंडिकेटर (केपीआई) समिति की बैठक कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में केपीआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके तहत शैक्षणिक सफलता, छात्रों की संख्या, उत्तीर्ण प्रतिशत और नामांकन दर जैसे प्रमुख मानकों पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छात्र प्रतिधारण दर, यानी पहले वर्ष के बाद कितने छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं, यह भी शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है।

कुलपति ने समिति के सदस्यों को निर्धारित समय में डिग्री पूर्ण करने वाले छात्रों के प्रतिशत का डेटा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवाचार विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा से जुड़े होते हैं, इसलिए गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। साथ ही प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्रों और विश्वविद्यालय द्वारा दर्ज पेटेंट का भी पूरा विवरण तैयार करने को कहा।

बैठक में छात्र–छात्राओं की प्लेसमेंट दर, विदेशी छात्रों की संख्या तथा अन्य शैक्षिक सूचकों का अद्यतन डेटा तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो एस एस मिश्र, प्रो शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो नीलम पाठक, प्रो शैलेंद्र कुमार, उपकुलसचिव डॉ. एके गौतम सहित अन्य उपस्थित रहे।

अवध विवि के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में आयोजित केपीआई समिति की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित सदस्य।

अवध विश्वविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं जारी, मूल्यांकन की तैयारी शुरू

अयोध्या, 21 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी के अंतर्गत स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं निर्धारित केंद्रों पर सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं, जो 29 जनवरी 2026 तक लगभग समाप्त हो जाएंगी। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारी भी शुरू कर दी है।

परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि बी.कॉम सहित छोटे प्रश्नपत्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। मूल्यांकन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए वरिष्ठ शिक्षकों को 15–15 दिनों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा। पारदर्शिता बनाए रखने हेतु मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहेंगे और निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा।

अमर शहीद हेमू कालाणी का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोतः प्रो. अनूप कुमार

अयोध्या, 22 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अमर शहीद संत कंवरराम सिंधी अध्ययन केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में हेमू कालाणी शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में "एक प्रेरणादायी व्यक्तित्वः क्रांतिकारी वीर हेमू कालाणी" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साईं नितिन राम (संत रामदास मंदिर) एवं उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के निदेशक अभिषेक कुमार अखिल रहे, जबकि अध्यक्षता अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनूप कुमार ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अमर शहीद हेमू कालाणी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि देशप्रेम उम्र का मोहताज नहीं होता। अमर शहीद हेमू कालाणी ने कम उम्र में ही अदम्य साहस का परिचय देते हुए स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्य अतिथि साईं नितिन राम ने कहा कि हेमू कालाणी ने अंग्रेजी शासन के सामने झुकने के बजाय देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान को चुना।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि हेमू कालाणी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रो. फर्रुख जमाल ने स्वतंत्रता संग्राम में वीर सपूतों के बलिदान को याद करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी गई और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक में नए पाठ्यक्रमों सहित कई प्रस्तावों पर मुहर

अयोध्या, 22 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों एवं कार्यवृत्तों पर विचार किया गया।

बैठक में आवासीय परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में संचालित एमएससी गणित (सांख्यिकी) पाठ्यक्रम को एमएससी गणित में परिवर्तित किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही सत्र 2026–27 से एमफार्मा, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, इंटीग्रेटेड एमटेक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रूमेंट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इंटीग्रेटेड एमसीए तथा एमकॉम जैसे नए पाठ्यक्रमों के अनुमोदन पर विचार किया गया।

बैठक में नैक के दृष्टिगत प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति, पाठ्यक्रमों में पीओएस, सीओ, पीएसओ, फीडबैक मैकेनिज्म, कोलैबोरेटिव लर्निंग एवं लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा 300 करोड़ रुपये का पेंशन कॉर्पस फंड बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. राम प्यारे सी एसए कानपुर, प्रो. एस सी विमल, प्रो. एपी सिंह, प्रो. एसएस मिश्र प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. एसएस मिश्र अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

“कोविदार“

01 जनवरी–31 जनवरी, 2026, माघ कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

बसंत पंचमी पर अवध विश्वविद्यालय में माँ सरस्वती की पूजा, कुलपति ने दिया ज्ञान और संस्कार का संदेश

अयोध्या, 23 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर के अहिल्याबाई होल्कर बालिका छात्रावास एवं केंद्रीय पुस्तकालय में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर माँ सरस्वती की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। इस अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षकों को शुभकामनाएँ दीं।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विद्या वह शक्ति है जो व्यक्ति को विवेकवान, संवेदनशील और उत्तरदायी बनाती है। माँ सरस्वती केवल ज्ञान की अधिष्ठात्री ही नहीं, बल्कि वाणी, विचार और आचरण की दिव्य प्रेरणा भी हैं। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी का यह पावन पर्व विद्यार्थियों को केवल सफलता ही नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। ज्ञान, करुणा और सेवा से युक्त समाज के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में भी बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. शैलेंद्र कुमार ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया। फार्मेसी समन्वयक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ज्ञान ही मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। वहीं डॉ. अंकुर श्रीवास्तव ने कहा कि माँ सरस्वती की कृपा से विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, नवाचार की भावना तथा बौद्धिक क्षमता का विकास होता है।

योग विज्ञान विभाग में शिक्षकों एवं छात्राओं ने माँ सरस्वती का पूजन–अर्चन कर "सर्वे भवंतु सुखिनः" का संदेश दिया। साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिवस के अवसर पर विभाग परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। अहिल्याबाई होल्कर बालिका छात्रावास की छात्राओं ने बसंत पंचमी पर आधारित आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, वार्डन डॉ. गीतिका श्रीवास्तव सहित एवं अन्य उपस्थित रहें।

अवध विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं शिक्षक।

प्रशिक्षण से टूरिस्ट गाइड की विश्वसनीयता और अवसर बढ़ेंगे: नगर आयुक्त

अयोध्या, 27 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में नगर निगम के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा चयनित टूरिस्ट गाइड की यह पहल छात्रों को व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

मुख्य अतिथि जयेंद्र कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड को पहले नगर निगम से आईडी कार्ड मिलता था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रशिक्षण के बाद प्रमाणित आईडी कार्ड जारी किया जाएगा, जिससे उनकी विश्वसनीयता और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम गाइडों के लिए बैठने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के लिए भी सहयोग करेगा।

इस अवसर पर डॉ. महेंद्र पाल सिंह, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक, योगेश दीक्षित सहित कई प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड उपस्थित रहे।

अवध विवि के शिक्षक का शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

अयोध्या, 30 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट विभाग के शिक्षक डॉ. मोहम्मद सादिक का शोध पत्र विश्व के प्रतिष्ठित पब्लिशिंग हाउस टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप के जर्नल इनोवेशन इन एजुकेशन एंड टीचिंग इंटरनेशनल में प्रकाशित हुआ है। यह जर्नल स्कोपस सूची में शामिल होने के साथ विश्व के शीर्ष 25 प्रतिशत जर्नलों में गिना जाता है, जिसका इंपैक्ट फैक्टर 4 .9 है।

अपने शोध में डॉ. सादिक ने साइंस और इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का अध्ययन किया। इसके लिए उन्होंने 596 छात्रों से डाटा एकत्रित किया और उसे स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग तथा मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से विश्लेषित किया।

अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि आर्टिफिशियल इंटेलिज.ेंस का छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। डॉ. सादिक की इस उपलब्धि पर विभाग के समन्वयक डॉ. संजय चौधरी, डॉ. दिलीप सिंह और डॉ. सरोज सिंह ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जलवायु परिवर्तन से जल संसाधनों पर बढ़ रहा खतरा: प्रो. डी. नागेश कुमार

अयोध्या, 31 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" विषय पर एक दिवसीय संवादात्मक विशेष व्याख्यान का आयोजन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिविलइंजीनियरिंग एवं पर्यावरण विज्ञान के छात्रों और शोधार्थियों को जल संसाधन तथा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. डी. नागेश कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के प्रतिरूप में परिवर्तन हो रहा है, जिसका प्रभाव सतही और भू–जल संसाधनों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने बाढ़ और सूखा जैसी चरम जल घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर चर्चा करते हुए सतत जल संसाधन प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया।

विषय परिचय देते हुए डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने जल संसाधनों के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रो. संत सरण मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में के.एल. पाण्डेय, डॉ नवीन पटेल, डॉ. शोभित श्रीवास्तव, डॉ. अनुराग सिंह सहित बडी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

सांस्कृतिक समन्वय की धरती है उत्तर प्रदेश: कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही
अवध विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया प्रदेश का 76वां स्थापना दिवस

अयोध्या, 24 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में उत्तर प्रदेश का 76वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहे।

अपने संबोधन में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यदि देश की विविध सांस्कृतिक धरोहरों को एक साथ देखना है तो उत्तर प्रदेश से बेहतर स्थान कोई नहीं हो सकता। यहां पूरे देश की संस्कृति का समन्वय देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पावन भूमि पर गंगा, यमुना, सरस्वती और सरयू जैसी नदियां हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इसी धरती पर भगवान राम और श्रीकृष्ण ने जन्म लिया, काशी में महादेव विराजमान हैं और तीर्थराज प्रयाग में पवित्र संगम सदियों से भारत की धार्मिक परंपरा को समृद्ध कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। अयोध्या का कायाकल्प 500 वर्षों के संघर्ष के बाद साकार हो रहा है और यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं अवध विश्वविद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्राओं द्वारा नाट्य प्रस्तुति, सोलो डांस, कजरी गीत तथा बसंत गीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी अयोध्या के सदक हुसैन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिलाधिकारी निखिल टीका राम फुंदे ने दिया। इस अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्द्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद रहें।

अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित उत्तर प्रदेश के 76वें स्थापना दिवस समारोह में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह व उपस्थित अतिथि।

अंतर महाविद्यालय खो–खो प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय की टीम बनी विजेता
सामूहिक प्रयास से ही टीम खेलों में मिलती है सफलता: कुलपति

अयोध्या, 25 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में अंबेडकर नगर जिले के बाबा बरुआ दास पीजी महाविद्यालय में

आयोजित अंतर महाविद्यालय महिला खो–खो प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

फाइनल मुकाबले में आवासीय परिसर की टीम ने आरआर पीजी महाविद्यालय, अमेठी को 12–2 के अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में आवासीय परिसर टीम की ओर से नीतू यादव, खुशबू यादव, दीक्षा और सुशीला राणा का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। टीम के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. अनुराग पाण्डेय रहे।

टीम की इस उपलब्धि पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि टीम खेलों में सामूहिक प्रयास और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि खो–खो जैसे खेलों में सहनशक्ति, चपलता और रणनीति का विशेष महत्व होता है, जो खिलाड़ियों के समग्र विकास में भी सहायक है।

प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खिलाड़ियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. एस.एस. मिश्रा, प्रो. नीलम पाठक सहित कई शिक्षकों और अधिकारियों ने टीम को बधाई दी।

अवध विश्वविद्यालय के पहलवान प्रियांशु यादव ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए किया क्वालीफाई

अयोध्या, 25 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ी प्रियांशु यादव ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रीको–रोमन शैली के 77 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम आठ खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

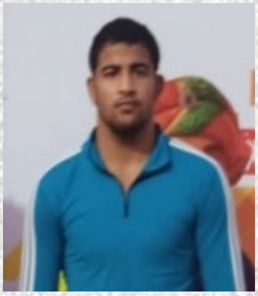

प्रियांशु यादव की इस उपलब्धि पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और कौशल के विकास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को खेल सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

खिलाड़ी की सफलता पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नीलम पाठक, मुख्य कुलानुशासक प्रो. एस. एस. मिश्रा, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, पूर्व प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह, शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. जन्मेजय तिवारी, महामंत्री प्रो. अमूल्य कुमार सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. राना रोहित सिंह, प्रो. प्रवीण सिंह, प्रो.सन्तोष गौड़, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पाण्डेय, प्रो. विनय कुमार सिंह, डॉ. नागेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. मनीष सिंह, डॉ.कपिल कुमार, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. त्रिलोकी यादव सहित अनेक खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

अवध विश्वविद्यालय ने गोद लिए गाँव माधवपुर में आयोजित किया स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

अयोध्या, 29 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र एवं महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा गोद लिए गए गाँव माधवपुर, मसौधा में "पंचमहाभूत एवं एक्यूप्रेशर द्वारा रोगों का उपचार" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नेचुरोपैथ राजपाल वर्मा रहे। समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पंचमहाभूत चिकित्सा के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को बेहतर समझकर खानपान और जीवनशैली में सुधार कर स्वस्थ रह सकता है। मुख्य वक्ता राजपाल वर्मा ने बताया कि माइग्रेन, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, सर्वाइकल और रक्तचाप जैसी समस्याओंका उपचार एक्यूप्रेशर, योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से संभव है। उन्होंने पंचतत्वों के संतुलन तथा आहार, योग, जड़ी–बूटियों और हाइड्रोथेरेपी जैसे प्राकृतिक उपायों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ की डॉ. मनीषा यादव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी ने दिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ऋषिकेष वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

माधवपुर गाँव में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में पंचमहाभूत एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा के बारे में जानकारी देते नेचुरोपैथ राजपाल वर्मा।

अवध विश्वविद्यालय के चार खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

अयोध्या, 21 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के चार खिलाड़ियों ने जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

महिला वर्ग में शैली धीमान (78 किग्रा), दीक्षा शर्मा (78 किग्रा) और सुसुम (52 किग्रा) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि पुरुष वर्ग में कृष्णवीर सिंह (60 किग्रा) ने क्वालीफाई किया। खिलाड़ियों के साथ टीम कोच सुभाष भी मौजूद रहे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ी राष्ट्र की पहचान होते हैं

और निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारियों व शिक्षकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

अवध विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

भारत विश्व का सबसे बड़ा सशक्त लोकतंत्र: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

अयोध्या, 26 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नवीन परिसर स्थित धन्वंतरी भवन के समक्ष पहली बार राष्ट्रीय ध्वज का गरिमामय ध्वजारोहण कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण के पश्चात कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद कुलपति ने सभी उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी छात्राओं की परेड का भी निरीक्षण किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा सशक्त लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि 1930 में रावी नदी के तट पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत को पूर्ण स्वतंत्र कराने का संकल्प लिया था, जिसका परिणाम 26 जनवरी 1950 को भारत के पूर्ण गणराज्य के रूप में सामने आया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान से भरा हुआ है और आज भारत विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में शीघ्र ही सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन विभिन्न शैक्षिक परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में परिसर में नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे तथा खेल सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। साथ ही छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएं भी प्रारंभ की जाएंगी, जिससे उन्हें रोजगारपरक शिक्षा का लाभ मिल सके।

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ. अनुराग पांडेय ने "मेरा मुल्क मेरा देश प्यार का चमन..." गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक के मार्गदर्शन में

अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित शिक्षक, अधिकारी व छात्र–छात्राएं।

छात्रा सृजनिका मिश्र ने किया।

इस अवसर पर प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सीके. मिश्र, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, प्रो. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. पी.के. द्विवेदी, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"कोशल में जैन धर्म" विषय पर अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

कोशल क्षेत्र जैन धर्म की समृद्ध परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्रः प्रो. अमर सिंह

अयोध्या, 30 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में स्थापित श्री ऋषभदेव जैन शोध पीठ द्वारा "कोशल में जैन धर्म" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं कला विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. अमर सिंह तथा राजकीय रमाबाई डिग्री कॉलेज के इतिहास विभाग के सह–आचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सह–आचार्य डॉ. अवध नारायण ने मुख्य वक्ताओं का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. अमर सिंह ने कहा कि जैन धर्म के परिप्रेक्ष्य में कोशल क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि कोशल क्षेत्र में छह जैन तीर्थंकरों का जन्म हुआ, जिनके प्रतिपादित सिद्धांत–सत्य, अहिंसा, अस्तेय, और अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य–आज भी समाज के

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित "कोशल में जैन धर्म" विषयक राष्ट्रीय सेमिनार में विचार व्यक्त करते मुख्य वक्ता प्रो. अमर सिंह एवं अन्य विद्वान।

लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने अवध विश्वविद्यालय को जैन तीर्थंकरों से संबंधित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. रवीन्द्र कुमार वर्मा ने द्वारा जैन धर्म के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अयोध्या जैन धर्म के लिए अत्यंत पवित्र स्थल है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में जैन धर्म के पाँच तीर्थंकरों–ऋषभदेव, अजीतनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ और अनन्तनाथ का जन्म हुआ था, जिससे यह नगरी जैन धर्मावलम्बियों के लिए विशेष आस्था का केंद्र बन गई है।

ऋषभदेव जैन शोध पीठ के सह–आचार्य डॉ. देव नारायण वर्मा ने शोध पीठ की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और जैन धर्म के सिद्धांतों को समाज के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम में प्रो. कविता सिंह, डॉ. राज कुमार सिंह, डॉ. अनूप पाण्डेय, डॉ. लक्ष्मण सिंह सहित कई विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर डॉ. दिव्या वर्मा, डॉ. निहारिका सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. मृदुला पाण्डेय, डॉ. नेहा श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. रचना श्रीवास्तव, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप यादव, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. आलोक मिश्र, सुधीर सिंह, शैलेश, नसीब अली तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देव नारायण वर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिवाकर त्रिपाठी ने दिया।

अवध विवि के विद्यापरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर, नए पाठ्यक्रमों व शैक्षिक सुधारों को मिली स्वीकृति

अयोध्या, 19 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह

की अध्यक्षता में विद्यापरिषद की आवश्यक बैठक हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) में आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्यवृत्तों के अनुमोदन पर विचार किया गया।

बैठक में आवासीय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन बोर्ड की बैठकों में लिए गए निर्णयों को अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही गणित एवं सांख्यिकी विभाग में संचालित एमएससी गणित (सांख्यिकी) पाठ्यक्रम को परिवर्तित कर एमएससी गणित किए जाने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त ड्यूल डिग्री तथा 'स्वयं' नीति के अनुमोदन पर भी विचार किया गया।

विद्यापरिषद की बैठक में परिसर में संचालित सीबीसीएस पाठ्यक्रमों की सूची के अनुमोदन के साथ ही नैक एट्रीब्यूट–5 के अंतर्गत लर्निंग एंड टीचिंग से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। समिति द्वारा संस्तुत सत्र 2026–27 से प्रारंभ होने वाले नए पाठ्यक्रमोंकृएम फार्म, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी प्राणि विज्ञान, एमएससी वनस्पति विज्ञान, इंटीग्रेटेड एमटेक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रूमेंट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, इंटीग्रेटेड एमसीए तथा भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रमाण पत्र एवं बहुविषयक लघु पाठ्यक्रमकृ के अनुमोदन पर भी विचार किया गया।

इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी सहित विभिन्न विषयों के संयोजक व विशिष्ट शिक्षाविद ऑनलाइन व ऑफलाइन उपस्थित रहे।

अनीषा पटेल ने जीता गोल्ड, कई खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए किया क्वालीफाई

अयोध्या, 17 जनवरी 2026। कर्नाटक के राजीव गांधी हेल्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल 15वां स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में देशभर के 303 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। महिला वर्ग में विश्वविद्यालय को 10वां तथा पुरुष वर्ग में 28वां स्थान मिला।

प्रतियोगिता में एथलीट अनीषा पटेल ने 1500 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल तथा 800 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालीफाई किया। वहीं नेहा वर्मा ने हाफ मैराथन में छठा स्थान तथा सूरज यादव ने डिस्कस थ्रो में सातवां स्थान प्राप्त कर खेलो इंडिया के लिए क्वालीफाई किया। टीम के साथ मैनेजर डॉ. सतीश चन्द्र श्रीवास्तव एवं कोच नीरज पटेल रहे।

इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आशीष प्रताप सिंह, पूर्णेन्दु शुक्ल, विनय कुमार सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. दानपति त्रिपाठी, प्रो. अभय कुमार सिंह, डॉ. जन्मेजय तिवारी, प्रो. अमूल्य कुमार सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. राना रोहित सिंह, प्रो. प्रवीण सिंह, प्रो. संतोष गौड़, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पाण्डेय, डॉ. नागेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. कपिल राना, डॉ. अर्जन सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी।

"कोविदार"

01 जनवरी–31 जनवरी, 2026, माघ कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 03 जनवरी 2026। नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय की पूनम यादव और राजकुमार मौर्या ने शानदार प्रदर्शन कर ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।
- अयोध्या, 12 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्य क्षता में नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई, जिसमें विभिन्न मानदंडों की प्रगति और आवश्यक सुधारों पर चर्चा की गई।
- अयोध्या, 15 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के एथलीट सर्वजीत पटेल ने 20 किमी वॉक में सिल्वर मेडल जीता, जबकि अनीषा पटेल ने 800 मीटर में चौथा स्थान प्राप्त कर दोनों ने खेलो इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालीफाई किया।

मानकों के अनुरूप सभी दस्तावेज पूर्ण रखें: कुलपति

नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर अवध विवि में समीक्षा बैठक

अयोध्या, 19 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य एट्रीब्यूट एक से लेकर एट्रीब्यूट ग्यारह तक के विभिन्न मानकों की प्रगति का आकलन करना था, जिनकी प्रस्तुति राजभवन में की जानी है।

कुलपति ने निर्देश दिया कि सभी मानदंडों के अनुरूप आवश्यक प्रमाणपत्र एवं दस्तावेज संलग्न किए जाएं तथा किसी भी कॉलम को अधूरा न छोड़ा जाए। उन्होंने पीओएस, सीओ, पीएसओ, फीडबैक मेकेनिज्म, सेमिनार, लैब वर्क, कोलेबोरेटिव लर्निंग, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, पियर्स असाइनमेंट, एकेडमिक ग्रीवेंस सेल, स्टूडेंट काउंसलिंग, स्पोर्ट्स, कल्चरल व सोशल क्लब के गठन तथा ई–गवर्नेंस से जुड़े बिंदुओं को अद्यतन

नैक मूल्यांकन की तैयारी को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में दिशा–निर्देश देते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

करने के निर्देश दिए। साथ ही दस्तावेजों में फोटो कैप्शन, जियो टैग फोटो, ग्रुप डिस्कशन और नोटिस को मानकों के अनुरूप जोड़ने पर भी बल दिया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. अनुराग सिंह, क्षितिज द्विवेदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारियों को लेकर अवध विश्वविद्यालय में बैठक

अयोध्या, 07 जनवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रैंकिंग से जुड़े पाँच प्रमुख मानदंडों पर विस्तृत चर्चा की

गई। समिति के समन्वयक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने सदस्यों को विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक डेटा 15 जनवरी तक तैयार करने का लक्ष्य दिया। चर्चा में शिक्षकों की गुणवत्ता, शोध व पेटेंट, छात्रों का परिणाम और प्लेसमेंट, महिला व दिव्यांग छात्रों की सुविधाएं तथा संस्थान की छवि सुदृढ़ करने जैसे विषय शामिल रहे। बैठक में प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. फर्रुख जमाल व कई शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर अवध विश्वविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य: प्रो. संत शरण मिश्र

अयोध्या, 12 जनवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान तथा विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा, अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर "युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन कुलपति कर्नल बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ।

मुख्य वक्ता एवं संस्थान के निदेशक प्रो. संत शरण मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानंद आधुनिक युग के आदि शंकराचार्य थे, जिन्होंने वेदांत के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारकर समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सच्चा धर्म है और युवाओं को विवेकानंद के विचारों को अपनाकर चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देना

अवध विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते प्रो. संत शरण मिश्र एवं उपस्थित शिक्षक–छात्र।

चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्जुन सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग सोनी ने दिया। इस अवसर पर डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. अनुराग पांडे, डॉ. त्रिलोकी यादव, आलोक तिवारी, गायत्री वर्मा, डॉ. मोहिनी पांडेय, स्वाति उपाध्याय, देवेंद्र वर्मा, संघर्ष सिंह, कुमार मंगलम सिंह, दिवाकर पांडेय सहित संस्थान के विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय की प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं 8 जनवरी से

अयोध्या 05 जनवरी, 2026। अवध विश्वविद्यालय में सत्र 2025–26 के एनईपी पाठ्यक्रम के तहत स्नातक व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 8 जनवरी से शुरू होंगी। परीक्षा में 2 लाख 6 हजार 984 छात्र–छात्राएं शामिल होंगे। सुचारू संचालन के लिए 19 नोडल केंद्र और 509 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहली बार परीक्षा समर्थ पोर्टल के माध्यम से कराई जाएगी जिससे एडमिट कार्ड और सत्यापन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। नकल विहीन परीक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों और सचल दलों से निगरानी की व्यवस्था की गई है।